



# Superguy



**BSES**  
BSES Rajdhani Power Limited



...a joint venture with GONCTD



नवंबर – दिसंबर, 2011

## बीएसईएस की ओर से क्रिसमस और नव वर्ष पर आपको हार्दिक शुभकामनाएं

### बीआरपीएल उपभोक्ताओं को नया अनुभव देंगे, अगली पीढ़ी के एलईडी बल्ब

पर्यावरण को लेकर बीआरपीएल के प्रयास इस बार देश की सीमाओं को भी पार कर गए हैं। आपकी बिजली कंपनी ने, एलईडी बल्ब बनाने वाली, अमेरिका की मशहूर लाइटिंग साइंस ग्रुप से समझौता किया है।



यह देश में अपनी तरह का अनोखा समझौता है, जिसके तहत उर्जा कुशल, अगली पीढ़ी की एलईडी लाइटिंग्स को बढ़ावा दिया जाएगा। इस समझौते के तहत, एलईडी आधारित विभिन्न लाइटिंग विकल्पों का फील्ड में ट्रायल करने पर जोर दिया जाएगा, जिसमें चुनिंदा लोकेशनों पर एलईडी स्ट्रीट लाइट्स का ट्रायल भी शामिल है। यह समझौता, दक्षिण और पश्चिम दिल्ली में बीआरपीएल उपभोक्ताओं को कम कीमत पर, एलईडी उत्पाद उपलब्ध कराने की ओर एक अहम कदम है।

इन एलईडी लाइट्स की खास बात यह भी होगी कि उनके होल्डर/ सॉकेट का डिजाइन ऐसा होगा कि वे आम भारतीय घरों में लगे पारंपरिक बल्बों के होल्डरों/ सॉकेटों में आसानी से फिट हो जाएंगे। और, साफ, चमक भरी रोशनी देंगे। एलईडी बल्ब, सीएफएल बल्बों की तुलना में भी काफी कम बिजली की खपत करते हैं। और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि एलईडी बल्बों में मरकरी या पारा नहीं होता। एलईडी बल्ब चलते भी खूब हैं। एक एलईडी बल्ब औसतन 50 हजार घंटे तक जलता है, जबकि एक सीएफएल 8 हजार और एक पारंपरिक बल्ब 1 हजार घंटा जलता है।

### सुरक्षा अलर्ट : 5 किलोवॉट और ऊपर के उपभोक्ता ईएलसीबी जरूर लगवाएं

ईएलसीबी यानी अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर एक साधारण, लेकिन महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरण है। उपभोक्ता के घर में यदि अर्थ में अगर मामूली करंट भी हो (अर्थ लीकेज), तो यह उसका पता लगा लेता है। यही नहीं, पता लगते ही, लाइन ट्रिप हो जाती है और घर/ परिसर की बिजली आपूर्ति डिसकनेक्ट हो जाती है। और इस तरह, यह हमें दुर्घटना से बचाता है। यह दोषपूर्ण और आपस में मिक्स हो रही आंतरिक वायरिंग का भी पता लगा लेता है, जिससे बिजली की संभावित बरबादी रूकती है।

इंडियन इलेक्ट्रिसिटी रूल्स 1956 के तहत, 5 किलोवॉट और उससे उपर के सभी वर्तमान और नए उपभोक्ताओं के लिए अपने परिसर में ईएलसीबी लगवाना अनिवार्य है।

डीईआरसी ने बिजली कंपनियों को निर्देश दिया है कि इसका कड़ाई से पालन करें और 5 किलोवॉट और अधिक के कनेक्शन देने से पहले सुनिश्चित कर लें कि उपभोक्ता के यहां यह उपकरण लग चुका है। हम 5 किलोवॉट और उससे उपर के कनेक्टेड लोड वाले अपने सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध करते हैं कि वे अपने यहां जल्द से जल्द ईएलसीबी – अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर – लगवा लें। आपकी सुरक्षा और सलामती के लिए यह एक छोटी सी कीमत है।



**हम सुन रहे हैं ... डायल करें**  
**बीआरपीएल – 399-99-707**

### उपभोक्ताओं के लिए एक और सुविधा

उपभोक्ताओं के फीडबैक के आधार पर, बीएसईएस भुगतान प्रक्रिया को और अधिक सुविधाजनक बनाती रहती है। आज की तारीख में बीएसईएस उपभोक्ता 5000 से भी अधिक लोकेशनों पर अपने बिलों का भुगतान कर सकते हैं। एक ओर वे बीएसईएस के केश काउंटर्स पर भुगतान कर सकते हैं, तो दूसरी ओर नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड्स, पड़ोस के सुविधा आउटलेट्स, एसएमएस, फोन, इंटरनेट, ईजी बिल आउटलेट्स, इटज कैश कार्ड्स, ऑक्सीजन आउटलेट्स, बिल पेमेंट किरॉस्क्स, स्काईपैक ड्रॉप बॉक्सेज, निकट ड्रॉप बॉक्सेज, जीवन सेंटर समेत अन्य विकल्पों के माध्यम से भी भुगतान किया जा सकता है।

जानकारी – क्रेडिट कार्ड/ डेबिट कार्ड आदि के माध्यम से भुगतान करने पर, मर्चेन्ट बैंकर द्वारा, आपके बिल की रकम का 0.9 प्रतिशत रकम प्रोसेसिंग चार्ज के तौर पर लिया जाता है, और इसे आपके कार्ड/ अकाउंट से डेबिट कर लिया जाता है।

### एसएमएस अलर्ट और ईमेल पर बिल के लिए रजिस्टर करें

हम आपको और बेहतर सेवाएं देना चाहते हैं। बिलिंग व भुगतान की डिटेल्स के बारे में एसएमएस अलर्ट और ईमेल पर बिल मंगवाने के लिए हमारे पास अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी रजिस्टर करवाएं। विकल्प के तौर पर आप हमारे चौबीसों घंटे और सातों दिन काम करने वाले हेल्पलाइन नंबर 399-99-707 पर फोन कर सकते हैं। हमें [brpl.customer@relianceada.com](mailto:brpl.customer@relianceada.com) पर ईमेल भी कर सकते हैं।

### बीएसईएस आईटी को मिले 3 पुरस्कार

आईटी के क्षेत्र में मानो बीएसईएस के लिए इन दिनों अवॉर्ड्स की बारिश हो रही है। हाल के दिनों में बीएसईएस ने तीन नामी व प्रतिष्ठित अवॉर्ड जीते हैं। इस कड़ी में, पहला अवॉर्ड है, ईडीजीई – एसएलसीसी के लिए, सीआईओ 100 अवॉर्ड।



इसके बाद कंपनी ने एसकेओसीएच डिजिटल इक्लूजन अवॉर्ड 2011 जीता। बीएसईएस द्वारा बड़े उपभोक्ताओं के लिए अपने प्रोजेक्ट ईडीजीई – एसएपी आईएसयू को अमल में लाने के लिए यह अवॉर्ड मिला है। और तीसरा अवॉर्ड है, एक्सप्रेस अपटाइम चैंपियन अवॉर्ड 2011।



इन पुरस्कारों को जीतकर बीएसईएस ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह टेक्नोलॉजी को अमल में लाने वाली देश की अहम कंपनियों में शामिल है। इन अवॉर्ड्स से सिर्फ टेक्नोलॉजी परिवर्तन की बात ही पता नहीं चलती, बल्कि बीएसईएस के बिजनेस अप्रोच में आधारभूत परिवर्तन को भी ये रेखांकित करते हैं।